**हथकरघा और विद्युतकरघा उद्योगों के विस्तार के लिए योजनाएं**

6583. **श्री वीरेन जे० शाह:**
**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार हथकरघा और विद्युतकरघा उद्योगों के विकास के लिए वर्ष 1993 के दौरान कई योजनाएं तैयार की गई थीं;

(ख) यदि हां, तो या यह भी सच है कि उपरोक्त योजनाओं में से अनेक योजनाएं राज्य सरकारों की सहायता से लागू की जानी थी;

(ग) यदि हां, तो ऐसी योजनाओं का ब्यौरा क्या है और इनके लिए राज्य सरकारों से कितना अंशदान अपेक्षित था;

(घ) क्या सरकार द्वारा राज्य सरकारों से इन योजनाओं को कार्यान्वित करने का भी अनुरोध किया गया था;

(ङ) यदि हां, तो मार्च 1994 तक किन-किन राज्यों में कौन-कौन सी योजनाएं आरंभ की जा चुकी हैं; और

(च) किन-किन राज्यों से इन योजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में कोई उत्तर तक प्राप्त नहीं हुआ है?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी):** (क) हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना की योजना सितम्बर, 1993 में आरम्भ की गई थी। हथकरघा क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय रेशम सूत बैंक योजना जुलाई, 1993 में आरम्भ की गई थी। राष्ट्रीय डिजाइन संग्रह कार्यक्रम की योजना का संशोधन सितम्बर, 1993 में किया गया। हथकरघा और पावरलूम क्षेत्रों के लिए वर्तमान योजनाओं के अतिरिक्त ये योजनाएं हैं।

(ख) और (ग) तथापि हथकरघा विकास केन्द्र, राष्ट्रीय रेशम सूत बैंक योजना और राष्ट्रीय डिजाइन संग्रह कार्यक्रम की योजनाओं के लिए राज्य सरकारों से धन की आवश्यकता नहीं है लेकिन ये योजनाएं राज्य सरकारों और हथकरघा अभिकरणों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है।

(घ) जी, हां।

(ङ) जहां ये योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं उन राज्यों का नाम इस प्रकार है:—

| | |
|---|---|
| हथकरघा विकास केन्द्र: | आन्ध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मनीपुर, उड़ीसा, तमिलनाडु पश्चिम बंगाल। |
| राष्ट्रीय रेशम सूत बैंक योजना: | आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, बिहार, असम। |
| राष्ट्रीय डिजाइन संग्रह कार्यक्रम: | आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल। |
| (च) हथकरघा विकास केन्द्र: | अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, दिल्ली, पांडिचेरी, जम्मू और कश्मीर। |
| राष्ट्रीय रेशम सूत बैंक योजना: | केवल चुनिंदा राज्यों के लिए यह योजना पाइलेट आधार पर उपलब्ध थी। |
| राष्ट्रीय डिजाइन संग्रह कार्यक्रम: | गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, नागालैंड, पांडिचेरी, पंजाब, त्रिपुरा, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश। |

**सूती धागे का उत्पादन**

6584. **श्री राम जेठमलानी:**
**प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कपास से सूती धागे की कताई के कार्य में सरकारी, सहकारी व निजी क्षेत्र की कताई मिलें कार्यरत हैं;

(ख) यदि हां, तो इन क्षेत्रों के अंतर्गत स्थापित मिलों की अलग-अलग वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ग) वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान धागे का कितना-कितना उत्पादन हुआ;

(घ) इन वर्षों के दौरान उत्पादित धागे में से 10 से 50 काउन्ट वाले हैंक यार्न का कितना उत्पादन हुआ;

(ङ) उत्पादित धागे का कितना प्रतिशत भाग निर्यात किया गया; और

(च) उक्त वर्षों के दौरान देश के लिए अपेक्षित धागे की वर्षवार कितनी-कितनी थीं?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी॰ वेंकट स्वामी):** (क) जी, हां।

(क) सरकारी, सहकारी तथा निजी क्षेत्रों की उत्पादन क्षमता नीचे दी गई है।

(संख्या हजार में)

| प्रबन्धन | तकुए | रोटर्स | करघे |
|---|---|---|---|
| सरकारी (एनटीसी) | 5939 | 1514 | 67 |
| बीआईसी (एसटीसी) | 2992 | 6888 | 0.29 |
| सहकारिता | | | |
| निजी | 19312 | 121498 | 91 |

(ग) सूती यार्न का उत्पादन (मिलियन कि॰ग्रा॰) नीचे दिया गया है

| | |
|---|---|
| 1991-92 | 1450 |
| 1992-93 | 1523 |
| 1993-94 (अनुमानित) | 1624 |

लघु कताई एककों द्वारा 1992-93 के दौरान यार्न का उत्पादन 46 मिलियन किलो ग्राम था, 1993-94 (अप्रैल-अक्तूबर) में लघु कताई एककों द्वारा यार्न का उत्पादन का अनुमान 26.8 मिलियन किलो ग्राम लगाया है।

(घ) एक विवरण-पत्र संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ङ) सूती यार्न का निर्यात हमारे कुल यार्न उत्पादन का लगभग 11 प्रतिशत है।

(च) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

**विवरण**

**सूती हैंक यार्न की काउन्ट वार डिलिविरीज**

(मि॰ कि॰ ग्रा॰)

| वर्ष काउन्ट ग्रुप | सादी रील हैंक | क्रास रील हैंक | योग |
|---|---|---|---|
| (1991-92) | | | |
| 1-10 काउन्ट | 45 | 36 | 82 |
| 11-20 " " | 52 | 40 | 92 |
| 21-30 " " | 14 | 26 | 40 |
| 31-40 " " | 63 | 16 | 79 |
| 41-60 " " | 17 | 4 | 21 |
| | 192 | 122 | 314 |
| (1992-93) | | | |
| 1-10 काउन्ट | 51 | 38 | 89 |
| 11-20 " " | 56 | 41 | 97 |
| 21-30 " " | 16 | 27 | 43 |
| 31-40 " " | 65 | 19 | 84 |
| 41-60 " " | 16 | 4 | 20 |
| | 204 | 129 | 333 |
| (1993-94) | | | |
| 1-10 काउन्ट | 55 | 34 | 89 |
| 11-20 " " | 57 | 37 | 94 |
| 21-30 " " | 15 | 28 | 43 |
| 31-40 " " | 59 | 16 | 75 |
| 41-60 " " | 15 | 5 | 20 |
| | 201 | 120 | 321 |

स्रोत: वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई
टिप्पणी: प्रत्याशित